आईआईटी कानपुर के प्रस्ताव पर सरकार ने सहमति जताई, जल्द कैबिनेट से मंजूर कराया जाएगा

यूपी का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर नोएडा में

तैयारी

10 करोड़ की मदद देगी यूपी सरकार स्टार्टअप नीति के तहत

राज्य मुख्यालय | **विशेष संवाददाता**

यूपी का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस नोएडा में बनेगा।

इससे ई-कॉमर्स, उद्योग, कारोबार स्वास्थ्य सेवाओं में शोध के जरिए नए सॉफ्टवेयर विकसित होंगे और तकनीकी प्रगति होगी। उत्तर प्रदेश सरकार जल्द कानपुर आईआईटी के इस प्रस्ताव पर सहमत हो गई है। कानपुर आईआईटी का नोएडा में पहले से ही परिसर है। वहां यह उत्कृष्टता का केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) खुलेगा। यूपी सरकार अपनी नई स्टार्टअप नीति के तहत 10 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद देगी। इससे संबंधित प्रस्ताव जल्द कैबिनेट की बैठक से पास कराया जाएगा। असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के क्षेत्र में देश में व्यापक संभावनाओं की चर्चा करते हुए इसकी दूरगामी उपयोगिता की बात कही थी। इसके लिए उन्होंने व्यापक शोध करने पर जोर दिया। अब योगी सरकार ने इस दिशा में पहल की है। औद्योगिक विकास व आईटी इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार का कहना है कि आईटी कानपुर के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विशेषज्ञ हैं। उनके पास सुपर कम्प्यूटर भी हैं। यह वहां आने वाले आईटी छात्रों व शोधकर्ताओं को इस दिशा में शोध के लिए प्रेरित कर गाइड करेंगे और उसे उद्योग कारोबार से जोड़ने का समाधान निकालने में मदद करेंगे। इसके जरिए उद्योग से जुड़ी समस्याओं पर शोध कार्य होंगे।

प्रदेश सरकार आईआईटी कानपुर को मदद देगी

प्रदेश सरकार आईआईटी कानपुर को मशीनों व फैकल्टी के लिए मदद करेगी। डिजिटल इंडिया के तहत यह मुहिम खासी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्टार्टअप कंपनियां इस सेक्टर में रिसर्च के जरिए नए प्रोजेक्ट लांच करेंगी।

सेंटर में डाटा विश्लेषण पर काम होगा

इसमें विभिन्न सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए डाटा विश्लेषण होगा और उसके समाधान के लिए नए स्टार्टअप विकसित होंगे। उत्कृष्टता केंद्र में मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, इंटेलिजेंस प्रोसेस डिजाइन पर काम होगा।